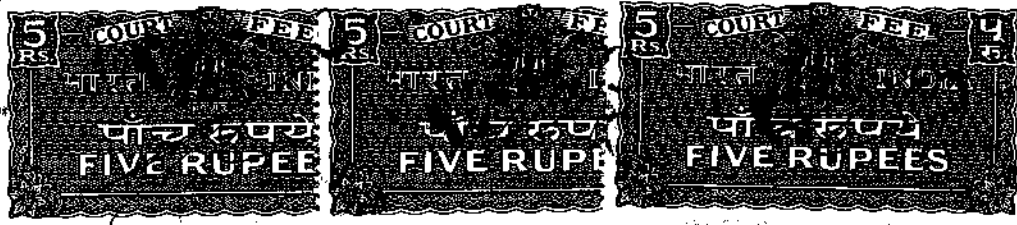


न्यायालय श्री मान् राजस्व मन्डल ग्वालियर मध्यप्रदेश

निगरानी प्रकरण क्र० /०७

885-11/07



कोर्ट में प्रस्तुत
18-5-07

बालमीक प्रसाद गुप्त तनय जगदीश प्रसाद गुप्ता निवासी ग्राम मनगवां

तहसील सिरमौर, जिला रीवा म० प्र० ---- आवेदक/ निगरानीकर्ता

वनाम

श्यामलाल कुमार तनय श्यामलाल गुप्ता निवासी मनगवां, तहसील सिरमौर

जिला रीवा म० प्र० ---- प्रत्यर्थी/ अनावेदक

निगरानी विरुद्ध आदेश दिनांक 1-3-07

प्रकरण क्रमांक 461/ निगरानी/95-96

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म० प्र० मूराजस्व

संहिता सन 1959 ई०

प्रकरण का संक्षिप्त विवरण

निगरानीकर्ता द्वारा वर्ष 80 में रामप्रजन से विवादित

भूमि व मय कच्चा मकान व उसके पीछे की खाली भूमि खरीदी गई थी,

जिस पर तहसील में प्रकरण चला व प्रकरण क्र० 10 ए 70 वर्ष 94-95

अतिरिक्त तहसीलदार गगेव द्वारा पटवारी हल्कामनगवा 97 में खरीद

शुदा भूमि व मकान चक आवादी खसरा न० 86 रक्बा 9-82 ए० में खरीदा था,

विक्रयपत्र में चौहदी दर्ज है, और पटवारी हल्का ने निगरानीकर्ता के पुत्र

शंकरराम पिता बालमीक के हक व कब्जे में मानने का प्रतिवेदन में विक्रय के

साक्षी रामलाल, रामकृमाल रामावतार ने प्रदर्शनी 1 विक्रय को साक्षित

किया है अतः बिना आपत्ति के विक्रय के उक्त विक्रयपत्र प्रदर्शित हो चुका है,

0 पी० सिंह
एडवोकेट
कोर्ट मध्य प्रदेश ग्वालियर

Handwritten signature and initials.

Handwritten mark or signature.

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 865- दो/07

जिला -रीवा

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिमानियों के हस्ताक्षर
24-5-16	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्री दुष्यंत कुमार सिंह द्वारा यह निगरानी अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा के प्रकरण क्रमांक 461/निगरानी/95-96 में पारित आदेश दिनांक 1.3.07 के विरुद्ध इस न्यायालय में म०प्र० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2- प्रकरण का सारांश संक्षेप में इस प्रकार है कि आवेदक द्वारा तहसील न्यायालय में एक शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया कि मनगंवा वार्ड क्रमांक-7 में अनावेदक किराना की दुकान करता है तथा वर्ष 1980 में कच्चा मकान व खाली भूमि क्रय किया है जिसमें आवेदक अवैध निर्माण कर रहा है। जिसे बंद कराया जाय। जिस पर नायब तहसीलदार गंगेव ने आवेदन पत्र को दिनांक 8.1.96 को निरस्त किया जिससे परिवेदित होकर अनुविभागीय अधिकारी तहसील सिरमौर जिला सतना के न्यायालय में प्रस्तुत किया जिसे अनुविभागीय अधिकारी द्वारा दिनांक 24.8.96 द्वारा निरस्त कर प्रकरण नायब तहसीलदार को समस्त बिन्दुओं की जांच हेतु प्रकरण प्रत्यावर्तित किया। इससे दुखी होकर</p>	

Handwritten mark

Handwritten signature

अनावेदक द्वारा अपर आयुक्त रीवा के न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया जिसमें दिनांक 1.3.07 को आदेश पारित कर अपील स्वीकार की गई, इसी आदेश के विरुद्ध इस न्यायालय में निगरानी प्रस्तुत की गई है।

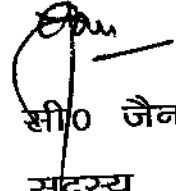
3- उभयपक्ष अधिवक्तागण के तर्क सुने। तथा मेरे द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेखों का अध्ययन किया।

4- मेरे द्वारा मुख्य रूप से अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर के आदेश का बारीकी से अध्ययन किया जिसमें अनुविभागीय अधिकारी सिरमौर द्वारा बताया गया है कि नायब तहसीलदार द्वारा स्थल निरीक्षण करने के पश्चात बताया गया है कि अनावेदक का कब्जा नहीं है। पंचनामा आदि देखने से स्पष्ट होता है कि उन्होंने यह माना है कि यह मकान रिहायसी नहीं है इसका उपयोग नमक के बोरे एवं अन्य सामान रखने के लिये उपयोग किया जाता है।

5- उपरोक्त विवेचना के आधार पर यह मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि विक्रय पत्र में चौहददी दी गई जिससे विवादित भूमि किसके पक्ष में हो सकती है यह स्पष्ट नहीं है, अतः इस संबंध में अधीनस्थ न्यायालयों के आदेश निरस्त किये जाते हैं तथा प्रकरण तहसीलदार न्यायालय को इस निर्देश के साथ प्रत्यावर्तित किया जाता है वह हितबद्ध पक्षकारों को सुनवाई का अवसर देते हुये

//3// निग0 865-दो/07

पुनः सीमांकन की कार्यवाही कर आदेश पारित करें। उभयपक्ष सूचित हों। अधीनस्थ न्यायालयों के अभिलेख आदेश की प्रति के साथ वापस हों। राजस्व मण्डल का प्रकरण संचय हेतु अभिलेखागार में भेजा जावे।


(के0 सी0 जैन)
सदस्य

W